

मोदी को राष्ट्रपति से मिली प्रधानमंत्री पद की नियुक्ति की चिट्ठी

मोदी रविवार शाम सात बजे प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे

नयी दिल्ली, 7 जून (वार्ता)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस (एन.डी.ए.) के नेता नरेन्द्र मोदी को प्रधानमंत्री पद की नियुक्ति का पत्र शुक्रवार शाम को सौंप दिया और उन्हें नयी मंत्रिपरिषद के लिए नामों की सूची भेजने के लिए कहा।

मोदी शाम छः बजे राष्ट्रपति भवन पहुंचे और राष्ट्रपति से मुलाकात की। बाद में उन्होंने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रपति ने उन्हें प्रधानमंत्री पद के लिए नामित किया है और मंत्रिपरिषद की सूची देने को कहा है। उन्होंने कहा, मैंने राष्ट्रपति को बताया है कि, हमें शपथ ग्रहण समारोह के लिए रविवार शाम छह बजे का समय सुविधाजनक रहेगा। उन्होंने कहा कि उस समय तक मंत्रिपरिषद के सदस्यों की सूची भी राष्ट्रपति को भेज दी जायेगी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि, दस वर्ष तक सरकार चलाने का उनका और उनकी टीम के अनुभव का अब देश को अगले पांच वर्ष तक पूरा लाभ मिलेगा और सरकार तेजी से काम करेगी। उन्होंने कहा, 2014 में मैं नया था, अब

■ **मोदी ने शुक्रवार को शाम छः बजे राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति से मुलाकात की। बाद में उन्होंने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि, राष्ट्रपति ने उन्हें प्रधानमंत्री पद के लिए नामित किया है और मंत्रिपरिषद की लिस्ट देने को कहा है।**

■ **प्रधानमंत्री ने कहा कि, दस वर्ष तक सरकार चलाने के उनके और उनकी टीम के अनुभव का अब देश को अगले पांच वर्ष तक पूरा लाभ मिलेगा और सरकार और तेजी से काम करेगी।**

अनुभव मिला है। भारत को जो वैश्विक छवि बनी है उसका अधिकतम लाभ अब शुरू होगा।

मोदी ने कहा, यह पांच वर्ष वैश्विक परिवेश में भी महत्वपूर्ण होंगे। दुनिया संकट से गुजर रही है ऐसी विकट परिस्थिति दुनिया ने लंबे अरसे के बाद देखी है। हर देश चुनौती का डरते हुए सामना कर रहा है। हम इतने संकट के बावजूद सबसे तेज गति से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था के रूप में उभरे हैं। अब एक स्थायी सरकार और परिपक्व नेतृत्व मिलने के कारण युवा पीढ़ी तथा राज्यों को लाभ मिलेगा और

वैश्विक भागीदारी का माहौल बनने वाला है।

उन्होंने कहा कि, अटारहवीं लोकसभा आजादी के अमृत महोत्सव के बाद की पहली लोकसभा है और यह एक प्रकार से युवा ऊर्जा और कुछ कर गुजरने वाली लोकसभा होने जा रही है। उन्होंने देशवासियों का आभार प्रकट करते हुए कहा कि उन्होंने एनडीए सरकार को जीतने का देश की सेवा करने का आदेश और अवसर दिया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि वह देशवासियों को आश्चस्त करते हैं कि पिछली दो कार्यकाल में देश तेज गति से आगे बढ़ा

है और समाज के हर वर्ग में परिवर्तन नजर आ रहा है। इस कार्यकाल में भी सरकार उसी तेजी के साथ उतने ही समर्पण भाव से देश की आशाओं और आकांक्षाओं को पूरा करने में कोई कमी नहीं रखेगी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि, उनकी सरकार देश के सामान्य जन के सपनों को पूरा करने का प्रयास करेगी और लक्ष्यों को समय सीमा में हासिल करने के लिए ऊर्जा तथा व्यापक विजन के साथ काम करेगी।

इससे पहले एन.डी.ए. के नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने मोदी को सर्वसम्मति से गठबंधन के संसदीय दल का नेता चुने जाने से संबंधित पत्र राष्ट्रपति को दिया था। इसके बाद मुर्मू ने मोदी को राष्ट्रपति भवन बुलाया था। लोकसभा चुनाव में राजग ने 293 सीटें जीतकर लगातार तीसरी बार बहुमत हासिल किया है। वर्ष 1962 (पंडित जवाहर लाल नेहरू) के बाद यह पहला अवसर है जब कोई नेता दो कार्यकाल पूरे करने के बाद लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेगा।

‘अल्पसंख्यक मुक्त एन.डी.ए.’

श्रीनगर, 7 जून। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भाजपा के अगुआई वाले एनडीए पर हमला बोलेते हुए कहा कि इस गठबंधन में अल्पसंख्यकों की कोई जगह नहीं है। बता दें कि एन.डी.ए. ने लोकसभा के चुनाव में बहुमत हासिल किया है और जल्द सरकार बनाने के लिए कवायद चल रहे हैं। शपथ ग्रहण की तारीख भी आ गई है। भाजपा नेताओं के मुताबिक 9 जून यानी रविवार की शाम को मोदी सरकार 3.0 का शपथ ग्रहण होना

■ **उमर अब्दुल्ला ने सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म एक्स पर कहा, केवल बीजेपी ही नहीं, बल्कि पूरा एनडीए ही मुस्लिम मुक्त हो गया है।**

है। उमर अब्दुल्ला ने सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म एक्स पर कहा, केवल बीजेपी ही नहीं, बल्कि पूरा एनडीए ही मुस्लिम मुक्त हो गया है। नाकेवल मुस्लिम मुक्त बल्कि यह ईसाई मुक्त, बौद्ध मुक्त, सिख मुक्त है। इसके बावजूद सरकार दावा करेगी कि यह 140 करोड़ देशवासियों का प्रतिनिधित्व करती है। रिपोर्ट के बाद की है जिसमें कहा गया है कि बीजेपी और एनडीए के अन्य दलों में चुने गए सभी सांसद केवल हिंदू हैं।

पांच दिन में 579 करोड़ रुपये बढ़ी चंद्रबाबू नायडू की पत्नी की सम्पत्ति

नायडू की पत्नी की सम्पत्ति में इतनी तेजी से इजाफा होने की मुख्य वजह उनकी कंपनी हैरिटेज फूड लिमिटेड है, जिसके शेयर की कीमतों में भारी उछाल आया है

■ **इस कंपनी में चंद्रबाबू नायडू की पत्नी नारा भुवनेश्वरी की करीब 24.37 प्रतिशत महत्वपूर्ण हिस्सेदारी है। उनके पास कंपनी के 2,26,11,525 शेयर हैं। 1992 में चंद्रबाबू नायडू ने इस कंपनी की स्थापना की थी।**

मुंबई, 7 जून। लोकसभा और आंध्र प्रदेश विधानसभा चुनावों के नतीजों का ऐलान होते ही टी.डी.पी. अध्यक्ष चंद्रबाबू नायडू और उनकी पत्नी नारा भुवनेश्वरी को किस्मत और कंपनी दोनों चमक उठी है। आलम यह है कि पांच दिनों के अंदर भुवनेश्वरी की संपत्ति में 579 करोड़ रुपये का इजाफा हुआ है। उनकी संपत्ति बढ़ने की वजह उनकी कंपनी हैरिटेज फूड्स लिमिटेड है, जिसके शेयर की कीमतों में चुनाव नतीजों के बाद भारी उछाल आया है।

कोविड काल से ही बढ़े झटके झेल रही एफ.एम.सी.जी. सेंक्टर को इस कंपनी के शेयर में लोकसभा चुनाव नतीजों के दिन बड़ा उछाल दर्ज किया गया। इस कंपनी में नारा भुवनेश्वरी की करीब 24.37 प्रतिशत की महत्वपूर्ण हिस्सेदारी है। उनके पास कंपनी के 2,26,11,525 शेयर हैं। 1992 में चंद्रबाबू नायडू ने

इस कंपनी की स्थापना की थी। दूध, दही, लस्सी, पनीर, घी, चीज समेत अन्य डेयरी उत्पाद इसके प्रोडक्ट हैं। नारा भुवनेश्वरी इस कंपनी की मैनेजिंग डायरेक्टर और वाइस चेयरमैन हैं।

मंगलवार को लोकसभा चुनाव नतीजों के दिन शेर शेर बाजार में भारी गिरावट दर्ज की गई, तब भी हेरिटेज फूड्स के शेयरों में उछाल दर्ज किया गया और तब से लगातार पांच दिनों से इसके शेयरों में शानदार तेजी देखने को मिली है। शुक्रवार को भी शेयर की कीमतों में उछाल आया और यह 659 रुपये प्रति शेयर पर पहुंच गया। पिछले पांच दिनों में हेरिटेज

फूड्स के शेयर की कीमत में 256.10 रुपये प्रति शेयर की तेजी आई है। कंपनी के शेयर के दामों में आई बढ़ोतरी से चंद्रबाबू नायडू के बेटे एन लोकेश भी इस कंपनी को प्रमोटर हैं।

गौरतलब है कि, लोकसभा चुनाव के नतीजों के ही दिन आंध्र प्रदेश विधान सभा चुनावों के नतीजे भी आए हैं। इन नतीजों में चंद्रबाबू नायडू ने 10 साल बाद राज्य की सत्ता में जोरदार वापसी की है। 175 सदस्यों वाली आंध्र विधानसभा में चंद्रबाबू नायडू की पार्टी टीडीपी ने 135 सीटें जीती है।

ममता बनर्जी इण्डिया...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के दौरान उन्होंने राज्य में कोई भी सुविधा देने से इन्कार कर दिया था यहां तक राहुल गांधी को विश्राम के लिए सरकारी गैस्ट हाउस और सर्किट हाउस तक नहीं दिया गया।

सबसे बड़े दल के रूप में उभर कर कांग्रेस न राइथ स्तर पर ताकतवर बनने की ममता बनर्जी की इच्छा पर पानी फेर दिया है, और कांग्रेस 99 सीटों के साथ काफी आगे है। इसी बीच भाजपा में अतर्कलह की कई बातें निकलकर सामने आ रही है जिसकी वजह से भाजपा को कई सीटों पर हार का मुंह देखना पड़ा। इनमें से एक है कृष्ण नगर सीट जहां से भाजपा प्रत्याशी थी अमृता रॉय, वे चुनाव हार गईं। अमृता एतिहासिक महत्व के परिवार से ताल्लुक रखती हैं।

अमृता के पूर्वज, कृष्णनगर के महाराजा कृष्णचन्द्रा की प्लासी के युद्ध में अठारवीं शताब्दी में प्रमुख भूमिका रही थी। भाजपा में कुछ लोग इस बात की शिकायत कर रहे हैं कि पार्टी के भीतरघात के कारण कई सीटों पर पार्टी की पराजय हुई है जिन पर पार्टी की जीत पहले ही सुनिश्चित थी।

दिलीप घोष जिन्हें भाजपा के उल्थान का जनक माना जाता है और जो राज्य में प्रमुख राजनैतिक कारक के रूप में भी उभरे, उन्होंने भी पार्टी में आन्तरिक गुटबाजी की शिकायत की है इसी के कारण गगन लोकसभा चुनावों में कई सीटों पर पार्टी पराजय हुई। दिलीप घोष उनके पुराने निवासन क्षेत्र मिदनापुर से बर्दवान

चले गए।

दिलीप घोष ने अपने निर्वाचन क्षेत्र को बहुत अच्छी तरह से संभाला था और यह भरोसा था वो वहां की सीट से निश्चित रूप से जीत जाएंगे। जब घोष से उनकी पुरानी सीट छोड़कर दूसरी सीट पर जाकर चुनाव लड़ने के बारे में पूछा गया तो घोष ने खुले तौर पर कहा कि पार्टी के भीतर एक दूसरे को नीचा गिराने की प्रवृति चल रही है।

अमृता रॉय ने चुनावों में उनकी पराजय पर पार्टी की सेन्ट्रल कमांड द्वारा भेजे गए धन का दुरुपयोग करने की शिकायत की। चुनाव लड़ने के लिए उस फंड का समुचित उपयोग नहीं किया गया और पार्टी के अनेक नेताओं ने चुनाव जीतने के लिए सामूहिक लक्ष्य में सहयोग नहीं किया।

सी.डब्ल्यू.सी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रात्रि भोग दिया जाएगा। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने बैठक के एजेन्डा के बारे में कुछ बताए बगैर यह जानकारी दी।

मु.मंत्री ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कार्यकाल में भारत विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा और उनके नेतृत्व में विकसित भारत का संकल्प निश्चित रूप से पूर्ण होगा।

‘नीट पेपरलीक...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

परीक्षा परिणाम घोषित होने पर सरकार की चुप्पी रहस्यमय है।

दोनों ने कहा कि, शिक्षा का निजीकरण करने के कारण नीट परीक्षाओं में घोटाला हो रहा है। जब भी नीट परीक्षाओं का परिणाम प्रकाशित किया जाता है विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को एक दिन पहले सूचित किया जाता है परन्तु इस बार ऐसा नहीं किया गया, इसलिए कांग्रेस व सीएम एन.एस.यू.आई. इस कांड की जांच तत्काल कराए जाने की मांग करती है।

कन्हैया कुमार ने कहा कि, कांग्रेस लगातार अपने चुनाव प्रचार अभियान के दौरान 30 लाख सरकार के 30 लाख रिक्त पदों के बारे में जोर देती रही है और संघ लोक सेवा आयोग (यू.पी.एस. सी) द्वारा आयोजित प्रतियोगिता परीक्षाओं को छोड़ कर शेष सभी परीक्षाओं में अनियमितता हो रही है और उनमें भी भविष्य में अनियमितताएं हो सकती हैं। सबसे अचम्भे वाली बात यह है कि, अधिकतम 67 विद्यार्थी 100 प्रतिशत अंक प्राप्त करने के सफल हुए हैं और परीक्षा आयोजक निकाय के निदेशक का इस पर दावा यह है कि, उनसे विद्यार्थियों के अंकों की प्रतिशत वृद्धि करने के लिए ग्रेस अंक दिए हैं, परन्तु कोई पारदर्शिता नहीं बरती गई कि किससे ‘ग्रेस’ नम्बर मिलेंगे। कुमार एन.एस.यू.आई. अध्यक्ष चौधरी ने परीक्षाओं में अनियमितताओं पर रोक सुनिश्चित करने के लिए एक सख्त कानून बनाने की मांग की है।

भाजपा व एन.डी.ए. के बीच रस्साकशी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नीतीश और नायडू के साथ बातचीत करते रहने से भाजपा पर दबाव बनेगा क्योंकि भाजपा के सहयोगी सत्ता में अपने जितने अधिक शेयर की मांग करेंगे, एन.डी.ए. गठबंधन के भीतर उतनी ही समस्याएं आएंगी और भाजपा एवं उसके शीर्ष नेतृत्व पर दबाव पड़ेगा।

यह बदलते समय का ही संकेत है कि अमित शाह कल जे.पी. नड्डा के आवास पर आठ घंटे तक रहे और उन्होंने सरकार के गठन और मंत्रालयों के विवरण को लेकर मंथन किया।

उच्च पदस्थ सूत्रों के अनुसार भाजपा अपनी सहयोगी पार्टियों को जो मंत्रालय आदि ऑफर कर रही है, उनकी लिस्ट इस प्रकार है:

टी.डी.पी.: एक पद कैबिनेट मंत्री का और दो पद राज्य मंत्रियों का। जद (यू.): एक पद कैबिनेट

मंत्री का और दो पद राज्य मंत्रियों का। एकनाथ शिंदे: एक पद कैबिनेट मंत्री और एक राज्य मंत्री।

चिराग पासवान: एक पद कैबिनेट मंत्री और एक राज्य मंत्री।

जद (एस): एक पद कैबिनेट मंत्री।

पवन कल्याण: एक पद कैबिनेट मंत्री अथवा एक राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)।

जयंत चौधरी: एक पद कैबिनेट मंत्री अथवा एक राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)।

अनुप्रिया पटेल: एक पद राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)।

जीरन राम मांझरी: एक पद राज्य मंत्री।

शीर्षस्थ सूत्रों के अनुसार एन.डी.ए. की मीटिंग के बाद टी.डी.पी. की अहम प्राथमिकताएं ये हैं:

आंध्र प्रदेश को विशेष वित्तीय सहायता। अमरावती को आंध्र प्रदेश की राजधानी बनाने में केन्द्र की मदद। टी.डी.पी. की जिन मंत्रालयों पर नजर है:

शीर्ष प्राथमिकता-आई.टी. बन्दरगाह, एवं जल संसाधन और शहरी विकास मंत्रालय।

टी.डी.पी. की नजरे केन्द्रीय वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री का पद प्राप्त करने पर हैं क्योंकि आंध्र को केन्द्र सरकार से विशेष वित्तीय सहायता की जरूरत है।

कारण: बन्दरगाह मंत्रालय हाथ में आ जाने पर टी.डी.पी. आंध्र प्रदेश के तटीय इलाकों में अधिक संसाधन जुटाकर उनका विकास कर सकेगी।

जल-आंध्र प्रदेश को पोलावरम राष्ट्रीय जल परियोजना सहित बड़ी जल परियोजनाओं का विकास करना है।

चन्द्रबाबू नायडू अपनी पार्टी के गढ़ में आई.टी. सेंक्टर को लेकर उत्सुक रहते आए हैं। वह शहरी विकास मंत्रालय भी चाहते हैं क्योंकि उनकी मुरगु लालसा है राजधानी और अमरावती का विकास स्वयं को सिद्ध करना है।

कुछ इच्छाएं तो स्पष्ट हो गई हैं किन्तु कुछ गूढ़ हैं।

पार्टियों में संघमारी कर सांसदों को अपने खेमे में लाने का नरेन्द्र मोदी का ट्रैक रिकॉर्ड रहा है इसलिए विभिन्न राजनीतिक पार्टियां इस बात पर जोर दे रही हैं कि स्पीकर का पद भाजपा के खাতে में नहीं जाना चाहिए।

विश्व लोकसभा में डेप्युटी स्पीकर के पद की मांग कर रहा है। पिछली बार विपक्ष को यह पद देने से इन्कार कर दिया गया था।

सूत्र कहते हैं कि अभी और सौदेबाजी शेष है।

ई.वी.एम. में डाले गए वोटों और गिने गए कुल वोटों के बीच अंतर क्यों?

नई दिल्ली, 7 जून। ई.वी.एम. में डाले गए वोटों और गिने गए कुल वोटों के बीच कुछ जगहों पर अंतर क्यों आ रहा है? चुनाव आयोग ने खुद ही इसका जवाब दिया है।

चुनाव आयोग का कहना है कि कुछ वोटों को नियमों के मुताबिक न गिना जाना इसकी वजह हो सकती है। दरअसल, सोशल मीडिया पर इंटरनेट यूजर्स की ओर से इसे लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। ऐसे ही एक शख्स ने एक्स पर पोस्ट करके पूछा कि ई.वी.एम. पर जितने वोट डाले गए और जितने वोटों की गिनती हुई, इसके बीच कहीं-कहीं तो हजारों का अंतर है। आखिर ऐसा कैसे हो सकता है?

उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने इसका जवाब दिया है।

देश की जनता ने अहंकार को...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गठबंधन (एनडीए) को खारिज कर दिया है, मौजूदा चुनाव नतीजे भाजपा और एन.डी.ए. के खिलाफ हैं। उन्होंने कहा, देश की जनता ने अहंकार को दुकरा दिया है।

उन्होंने आगे कहा, “लोगों ने भाजपा के मंदिर मस्जिद, हिंदू-मुस्लिम और ‘मंगलसूत्र’ के मुद्दों को अस्वीकार कर दिया है। केंद्र सरकार ने विशेष रूप से विपक्ष को निशाना बनाया और निर्वाचित मुख्यमंत्रियों को जेल में डाला। उन्होंने सी.बी.आई. और ई.डी. जैसी एजेंसियों का दुरुपयोग किया और जनता ने उनके इन सभी कार्यों को खारिज कर दिया।

चुनाव में कांग्रेस के प्रदर्शन को लेकर उन्होंने कहा, “कांग्रेस की संख्या अब डबल हो गई है। लोगों ने हमारे घोषणापत्र और हमारे अभियान को अच्छे से समझा है। लखनऊ (यूपी),

जयपुर (राजस्थान) और हरियाणा में डबल इंजन की सरकार असफल हो गई है। मैं कांग्रेस के कार्यकर्ताओं, नेताओं और उम्मीदवारों का आभारी हूँ।”

मीडिया से बातचीत करते हुए पायलट ने कहा कि लोकसभा चुनाव परिणाम का आकलन करें तो यह वोट सरकार के खिलाफ पड़े हैं। वहीं कांग्रेस ने अच्छा प्रदर्शन किया है।

पायलट ने कहा कि देश में सबसे बड़ी चिंता का विषय बेरोजगारी और अमीर- गरीब के बीच की खाई है। जो नीति निर्माण हुआ है वह आर्थिक वृद्धि से सिर्फ चंद लोगों को फायदा पहुंचाने का काम सरकार को फिया।

अधिकांश भारतवर्ष के लोग महंगाई और बेरोजगारी से जूझ रहे हैं। जो परिणाम आज आए हैं उनसे भाजपा की समझ में यह बात आ गई होगी। हिंदू, मुसलमान की राजनीति को नौजवान पीढ़ी और अधिकांश लोग पसंद नहीं

करते हैं।

हतुमान बेनीवाल के, इंडिया गठबंधन की बैठक में नहीं बुलाने के बयान पर पायलट ने कहा कि सब लोग जो इंडिया गठबंधन में थे आज भी वह गठबंधन में हैं। आने वाले समय में गठबंधन में और दल शामिल हो जाएंगे। जालौर में वैभव गहलोट की हार के सवाल पर पायलट ने कहा कि, कांग्रेस ने 11 सीटों पर भाजपा को हराया है, जहां-जहां हम भाजपा को हरा नहीं पाए अगली बार दुर्गो मेहनत करके हराएंगे। देश का मूड और प्रदेश का मूड कांग्रेस के पक्ष में है।

पायलट के अजमेर आगमन पर स्वागत करने वालों में शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष विजय जैन, नसीम अख्तर इंसाफ, महेंद्र सिंह रत्नावता, राजकुमार बाकोलिया, कमल बाकोलिया, अंकुर त्यागी सहित कई क्षेत्रीय नेता व कार्यकर्ता शामिल हुए।

क्या लोकसभा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

होने की संभावना नहीं है। हरियाणा में भी भाजपा को बहुत कुछ सुधारने की जरूरत है, जहां से

विधानसभा चुनावों में भी वैसा ही होने का संकेत नहीं होता है। झारखंड में वर्ष 2011 में हुए चुनावों में भाजपा ने 11 सीटें जीती थी लेकिन विधानसभा

■ **पर, भाजपा के लिये आशा की किरण आगामी विधानसभा चुनाव में यह है कि, आमतौर पर लोकसभा चुनाव में सफलता मिलना, कोई गारंटी नहीं है कि, विधानसभा चुनावों में यही सफलता/असफलता की पुनरावृत्ति होगी। उदाहरण के लिये, 2014 व 2019 में दिल्ली की सभी सातों सीटों पर भाजपा विजयी हुई थी, पर इसी दौरान हुए विधानसभा चुनावों में आप ने प्रचण्ड बहुमत प्राप्त किया व सरकार बनायी, यह स्थिति झारखंड में 2011 में भी हुई थी।**

कांग्रेस के पुनरुत्थान के संकेत आ रहे हैं। झारखंड में अभी सम्पन्न हुए चुनावों में, भाजपा की वर्ष 2019 की ग्यारह सीटों की तुलना में, इस बार आठ सीटें रह गयी हैं। जैसा कि अक्सर होता है, लोकसभा चुनावों में अच्छा प्रदर्शन,

चुनावों में, वह झारखंड मुक्ति मोर्चा (जे.एम.एम.) से हार गई थी। वर्ष 2014 और 2019 में भाजपा दिल्ली की सातों सीटों पर जीती थी लेकिन इन दोनों वर्षों में हुए विधानसभा चुनाव में “आप” ने भारी बहुमत प्राप्त किया था।

एन.डी.ए. के तमाम घटक दलों ने नरेन्द्र मोदी को अगले प्रधानमंत्री के लिए नामित किया

नीतीश और नायडू ने एन.डी.ए. की बैठक में नरेन्द्र मोदी की तारीफ के पुल बांधे

नई दिल्ली, 7 जून। संसद भवन में आज एन.डी.ए. संसदीय दल की बैठक के दौरान नीतीश कुमार, चंद्रबाबू नायडू, एकनाथ शिंदे, चिराग पासवान सहित एनडीए के तमाम घटक दलों के नेताओं ने नरेन्द्र मोदी के नाम का समर्थन देश के अगले प्रधानमंत्री पद के लिए किया। इस दौरान नीतीश कुमार ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि मैं पूरी तरह से आपके साथ हूँ। 10 साल में आपने काफी काम किया है। आने वाले समय में जो भी कुछ काम बचा है उसे आप पूरा करेंगे। ऐसा करके आप विरोधियों

को भी हरा देंगे। नीतीश कुमार ने कहा कि आप अगली बार जब आएंगे तो सब जीत जाएंगे। उन्होंने कहा कि इधर-उधर जो थोड़ा बहुत लोग जीत गए हैं, वह भी हार जाएंगे। नीतीश कुमार ने कहा कि इन लोगों ने कोई काम थोड़ी किया है। झूट बोलकर कुछ सीटें पा ली हैं, लेकिन इन्हें

■ **नीतीश कुमार ने कहा कि, आपके (मोदी के) नेतृत्व में सब लोग काम करेंगे, मैं यही कहूंगा कि, हम लोग इनके साथ रहेंगे, नरेन्द्र मोदी की बात को मानते हुए हम आगे चलेंगे।**

■ **टी.डी.पी. प्रमुख चंद्रबाबू नायडू ने भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम का अनुमोदन करते हुए उनकी खुब प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि, मैं करीब 40 वर्षों से राजनीति में हूँ। मैंने अभी तक इतना विजयरी लीडर नहीं देखा है। उन्होंने यह भी कहा है कि उन्होंने 10 वर्षों में भारत को बुलंदियों पर पहुंचाया।**

आपको फिर मौका मिला है तो फिर से सारी सीट जीतेंगे। अब तो मेरा आग्रह यही है कि जल्दी से आपका काम शुरू हो जाए। आप रविवार को शपथ लेने वाले हैं। मैं तो कहता था कि आज ही शपथ हो जाए। मैं आपका अभिर्नंदन करता हूँ। आपके नेतृत्व में सब लोग काम करेंगे। मैं यही कहूंगा कि हम लोग इनके साथ रहेंगे। नरेन्द्र मोदी की बात को मानते हुए हम आगे चलेंगे।

टी.डी.पी. के प्रमुख चंद्रबाबू नायडू ने भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम का अनुमोदन करते हुए उनकी खूब